The best investment on
EARTH
is
EARTH
Kedia Homes
Rajasthan's No. 1 Trusted Real Estate Brand

KEDIA'Z
CAPITAL
An Integrated Township
NO PAIN...
ONLY GAIN...
Plots @ 7500/- Sq Yd
Shops @ 6 Lakh

JDA MASTER PLAN LOCATION MAP

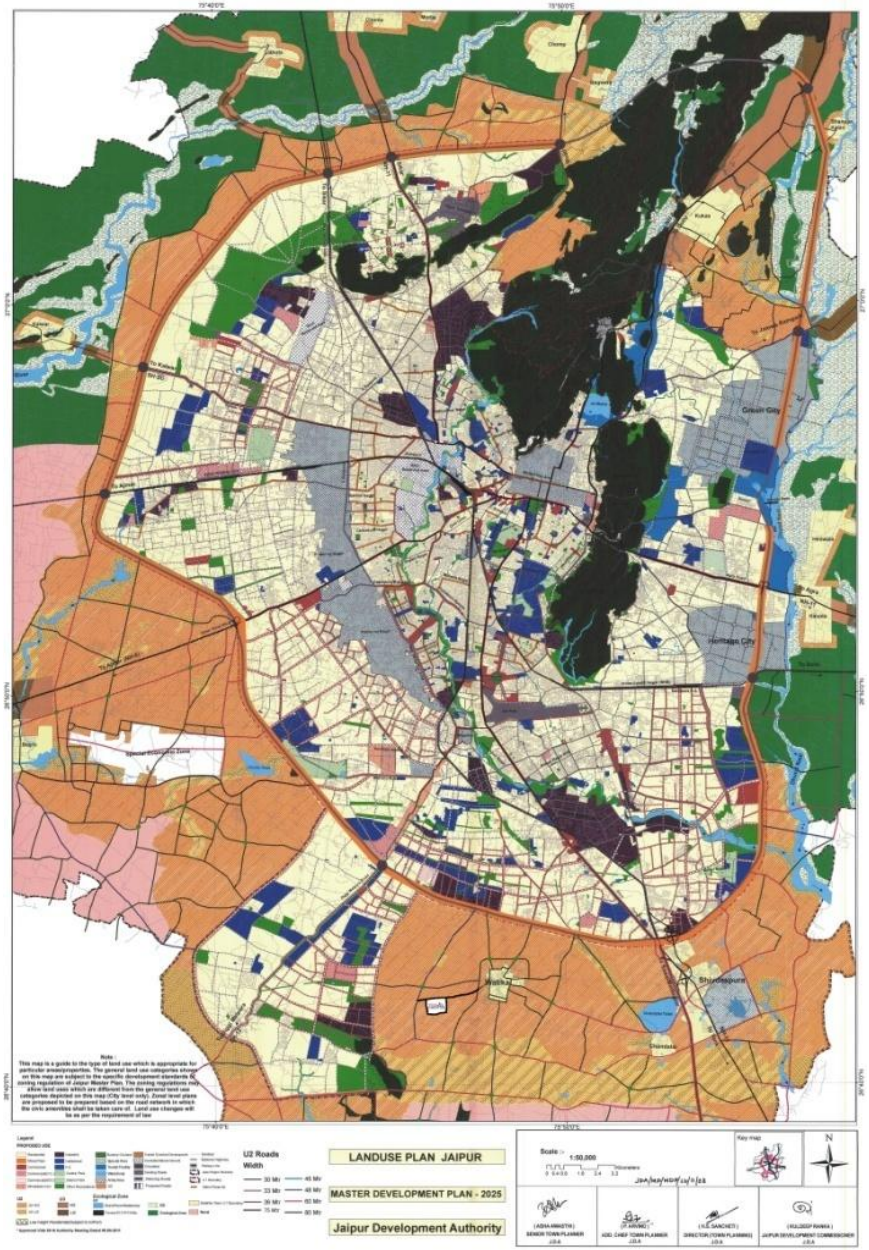

JDA MASTER PLAN LOCATION MAP

LOCATION MAP
NOT TO SCALE

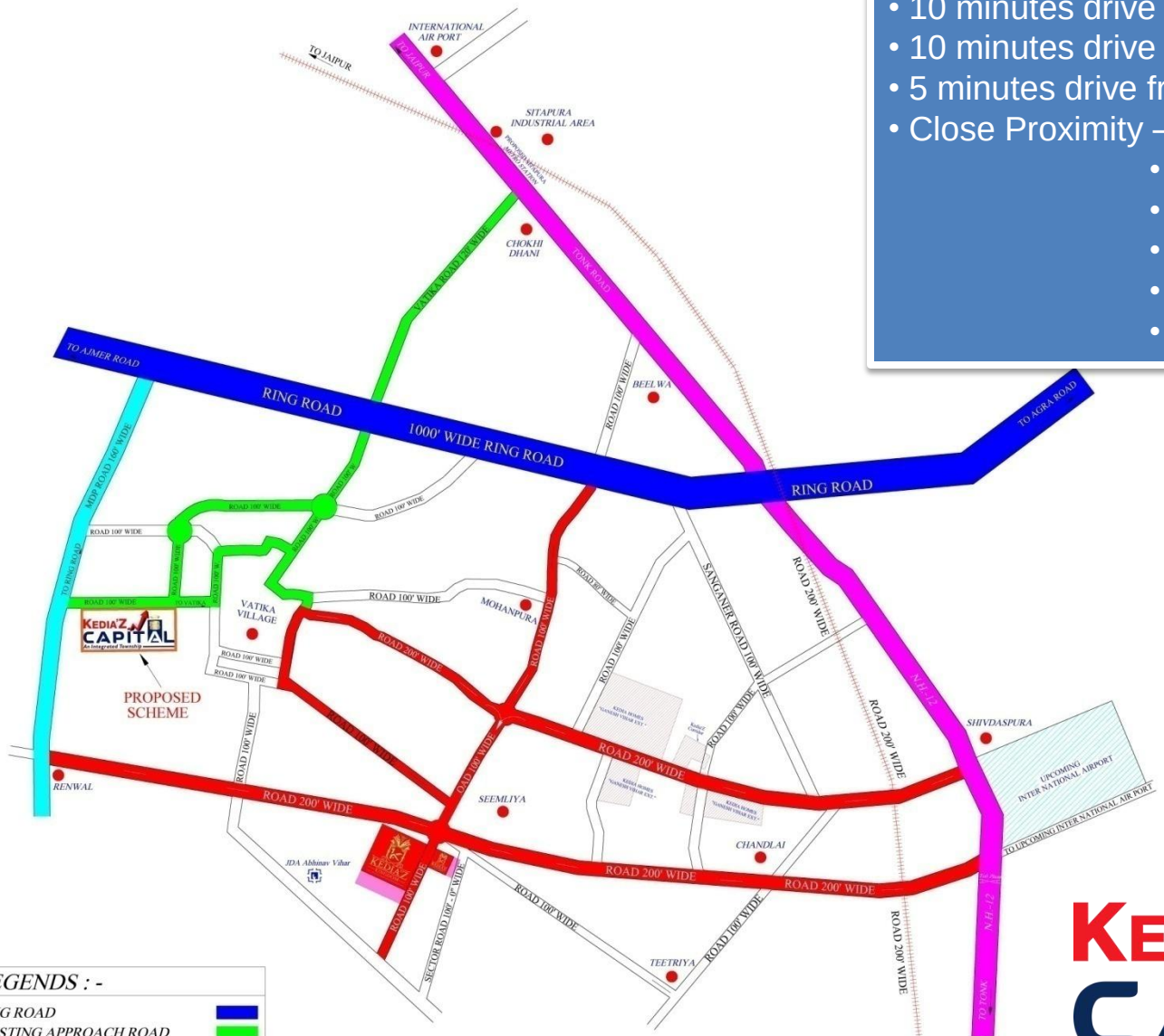

LEGENDS : -

- RING ROAD
- EXISTING APPROACH ROAD
- FUTURE MDP ROAD APPROACH
- MDP ROAD
- JAIPUR TO TONK ROAD (NH-12)

Location Advantages :

- 15 minutes drive from International Airport
- 10 minutes drive from Chokhi Dhani
- 10 minutes drive from Sitapura Industrial Area
- 5 minutes drive from Ring Road
- Close Proximity –
  - 850 Flats Project
  - School & College
  - Hospital
  - Stadium
  - Yoga Center

KEDIA'Z CAPITAL
An Integrated Township

Why Kedia'Z Capital?

- Upcoming International Airport with Aerocity
- Upcoming Metro Phase II
- 1200 ft Ring Road Corridor
- Located at Main 100 ft Road

Key Features:

- Electricity Supply
- 60, 40, & 30 ft Wide Roads
- Scheme Boundary Wall
- Plot Wise Demarcation
- Sewerage
- Drainage
- Central Park
- Gated Entry Township
- Damar Road
- Shopping Complex
- Water Supply
- Commercial Shops
- Facility Area
- Parking

KEDIA'Z CAPITAL

An Integrated Township

Ring Road, Tonk Road, Jaipur

No Pain...
Only Gain.

RATES INCREASE AFTER TOWNSHIP DEVELOPMENT

- Road
- Sewerage
- Drainage
- Water Supply
- Electricity Supply
- Park Development
- Township Boundary Wall
- Plot Wise Demarcation
- Township Gated Entry

RATES INCREASE AFTER RING ROAD COMPLETION

कुल 47 में से 27 किमी का उद्घाटन आज

21 महीने में बननी थी, 9 साल बाद आज जयपुर को मिलेगी रिंग रोड

पत्रिका बिग इश्यू

15,000 भारी वाहनों से शहर को मिलेगी निजात

नितिन गडकरी वीडियो कांफ्रेंस के जरिए करेंगे लोकार्पण

उद्घाटन से राज्य सरकार की दिख सकती है दूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. चुनावी सरगर्मियों के बीच जयपुरवासियों के लिए अच्छी खबर है। शहर के बहुप्रतीक्षित और बड़े प्रोजेक्ट में शामिल रिंग रोड शुक्रवार को जनता को समर्पित होगी। हालांकि 47 किमी लम्बी रिंग रोड में से केवल 27 किमी का उद्घाटन होगा। आचार संहिता से पहले रिंग रोड शुरू करने के लिए आनन-फानन इसकी तैयारी की गई है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए रिंग रोड का लोकार्पण करेंगे। सांसद रामचरण बोहरा रिंग रोड टोल प्लाजा पर प्रतीकात्मक शुरुआत करेंगे। पूर्व मंत्री यूनुस खान, एनएचएआइ के सीजीएम एमके जैन भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में राज्य सरकार की दूरी दिख सकती है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राज्य सरकार के किसी भी जनप्रतिनिधि का नाम सामने नहीं आया है।

यह हिस्सा खुलेगा

उद्घाटन के बाद अजमेर रोड से टोंक रोड के बीच 27 किमी रिंग रोड को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। हालांकि टोंक रोड से आगरा रोड तक यातायात नहीं निकल सकेगा। डीपीएस स्कूल अजमेर रोड के पास शुरू हो रही रिंग रोड पर पहले टोल टैक्स लगाया गया है। लेकिन 27 किमी की दूरी के लिए टोल टैक्स नहीं लिया जाएगा। पूरी रोड बनने के बाद ही वाहन चालकों से टोल टैक्स लिया जाएगा।

मिलेगी बड़ी राहत

रिंग शुरू होने के बाद शहर को बड़ी राहत मिलेगी। इस रूट पर घनी आबादी के बीच अभी टोंक रोड से अजमेर रोड के लिए भारी वाहनों का संचालन हो रहा है। रिंग रोड आगरा रोड स्थित बगराना से शुरू हो रही है, 47 किमी तक अजमेर रोड पर मिल रही है। टोंक रोड तक रिंग रोड की दूरी 27 किमी है, शेष 20 किमी पर अभी निर्माण चल रहा है। रिंग रोड बना रहे एनएचएआइ को अप्रैल 2019 तक पूरी रिंग रोड का काम पूरा करना है लेकिन अभी 20 किमी का काम बाकी है। एनएचएआइ का कहना है कि 20 किमी रिंग रोड में 2 रेलवे ओवरब्रिज का काम चल रहा है, इस कारण देर हो रही है।

लम्बी सड़क लम्बा इन्तजार

24 जून 2011 को कंपनी व जेडीए के बीच हुआ था अनुबंध

21 माह में बननी थी रिंग रोड

30 माह लगे एनएचएआइ को ट्रांसफर करने में

360 चौड़ी है परियोजना

200 करोड़ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से जेडीए को मिले

90 मीटर रिंग रोड और इसके दोनों ओर 135-135 का डवलपमेंट कॉरिडोर है। इसमें आवासीय, कॉमर्शियल योजना सृजित की गई है।

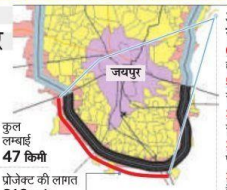

कुल लम्बाई **47 किमी**

प्रोजेक्ट की लागत **810 करोड़**

उद्घाटन **27 किमी** का उद्घाटन होगा

19.4 किमी अप्रैल तक का समय

02 रेलवे ओवरब्रिज, आगरा रोड से टोंक रोड के बीच है, एक आवेरब्रिज द्रव्यवती नदी के ऊपर है

20 छोटे ब्रिज

02 टोल प्लाजा

02 ओवरब्रिज

अजमेर रोड से टोंक रोड

0 किमी हसनपुरा से शुरू

5 किमी माहनर ब्रिज

10 किमी मुहाना

12 किमी फ्लाईओवर

15.5 किमी रेस्ट एरिया

16.5 किमी सीताराम्पुरा टोल

22 किमी वाटिका रोड फ्लाईओवर

27 किमी शिवदासपुरा टोंक रोड

25,000 वाहन रोज गुजरते हैं बी-2 बायपास से

रिंग शुरू होने के बाद शहर को बड़ी राहत मिलेगी। बी-2 बायपास से रोज 25 हजार भारी वाहन गुजरते हैं। इसमें से 15 हजार भारी वाहनों का घनी आबादी के बीच टोंक रोड से अजमेर रोड के लिए संचालन हो रहा है। रिंग रोड शुरू होने से शहर को राहत मिलेगी। रिंग रोड आगरा रोड स्थित बगराना से शुरू हो रही है, 47 किमी तक अजमेर रोड पर मिल रही है। टोंक रोड तक रिंग रोड की दूरी 27 किमी है, शेष 20 किमी पर अभी निर्माण चल रहा है। रिंग रोड बना रहे एनएचएआइ को अप्रैल 2019 तक पूरी रिंग रोड का काम पूरा करना है लेकिन अभी 20 किमी का काम बाकी है।

टोंक रोड से आगरा रोड के बीच रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण।

टोंक रोड से आगरा रोड के बीच 19.4 किलोमीटर के रोड का निर्माण।

बी-2 बायपास से गुजरते हुए भारी वाहन।

एनएचएआइ के पास यों गया प्रोजेक्ट

रिंग रोड परियोजना 11 अगस्त 2017 को तत्कालीन भाजपा सरकार से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) के पास स्थानांतरित कर दी गई। इसके लिए मंत्री की मौजूदगी में जयपुर विकास प्राधिकरण और एनएचएआइ के बीच एमओयू हुआ। पूर्व कंपनी ने बैंकों से लोन लिया था। बैंकों ने कंपनी से 221 करोड़ रुपए मांगे थे जबकि सेटलमेंट कमेटी ने कंपनी का 197 करोड़ रुपए का ही क्लेम पास किया था। ऐसे में 24 करोड़ रुपए का भार सीधे कंपनी पर आ गया था लेकिन सरकार के दखल के बाद यह राशि कम कर दी गई।

यों सुलझा विवाद

संक्षेपत दो कंपनियों के बीच विवाद हुआ तो प्रयासों के बाद आखिर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कमान संभाली और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से संपर्क साधा। उन्होंने एनएचएआइ को ट्रांसफर करने के लिए कहा। इसके बाद कंपनी को बाहर कर दिया गया।

जानकारी भेजी

केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए रिंग रोड का लोकार्पण करेंगे। प्रोजेक्ट संबंधी जानकारी दिल्ली भेज दी गई है, वहां कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है।
अजय बिश्नोई, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, रिंग रोड

RATES INCREASE AFTER RING ROAD COMPLETION

RATES INCREASE AFTER RING ROAD COMPLETION

RATES INCREASE AFTER METRO PHASE II COMPLETION

सबसे पहले दैनिक भास्कर में | जानिए... मेट्रो के दूसरे चरण के कौनसे स्टेशन किस प्वाइंट पर बनेंगे और वहीं क्यों?

एयरपोर्ट पार्किंग, बस स्टैंड व कलेक्ट्रेट सर्किल के नीचे बनेगा मेट्रो स्टेशन

आलोक खंडेलवाल | जयपुर

मानसरोवर से चांदपोल तक मेट्रो ट्रेन के सफल संचालन के बाद अब गुलाबी नगर की निगाहें दूसरे फेज यानी सीतापुरा से अंबाबाड़ी के करीब 23.77 किमी लंबे रूट पर टिक गई हैं। कब काम शुरू होगा? कब तक बनकर तैयार होगी? रूट से कितने लोगों को फायदा होगा? सभी 20 स्टेशन उनके घर के कितने नजदीक, कितने दूर होंगे? घर से कितना पैदल चलना होगा? वहां से कोई साधन होंगे या नहीं। नया घर या भूखंड कहां खरीदें, जिससे मेट्रो स्टेशन उनके नजदीक रहे? इस तरह के सवालों के बीच राज्य सरकार ने भी दूसरे फेज के लिए कवायद तेज कर दी है। फिलहाल सरकार इसे पीपीपी मोड पर देने की तैयारी कर रही है।

जयपुर मेट्रो की ओर से पूर्व में सीतापुरा से अंबाबाड़ी तक के रूट की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराई गई थी, बाद में कलेक्ट्रेट व एयरपोर्ट को जोड़ दिया गया। अब केंद्र सरकार के सहयोग से दूसरे फेज की तैयारी तेज की जा रही है।

इस 23.7 किलोमीटर के रूट पर टिकी हैं जयपुर की निगाहें

1 एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन

कहां बनेगा एयरपोर्ट की कार पार्किंग के ठीक नीचे

फायदा : जुलाई 2014 में रिवाइज्ड डीपीआर में स्टेशन को जोड़ा गया। टर्मिनल टू के अराइवल से बाहर निकलते ही सीधे मेट्रो ट्रेन में प्रवेश हो सकेगा। यहां अराइवल के बाहर लिफ्ट से प्लेटफार्म तक जाया जा सकेगा। इससे एयरपोर्ट यात्रियों की राह आसान होगी।

2 कलेक्ट्रेट सर्किल **कहां बनेगा :** सर्किल के ठीक नीचे

फायदा : एंट्री एक्जिट अभी तय नहीं है, लेकिन कोशिश यही की जा रही है कि कोर्ट और कलेक्ट्रेट से भी सीधे एंट्री बनाई जाए, ताकि यहां रोज आने वाले हजारों लोगों को सड़क क्रॉस नहीं करनी पड़े।

3 सिंधी कैंप मेट्रो स्टेशन

कहां बनेगा : बस स्टैंड के ठीक नीचे

फायदा : सिंधी कैंप बस स्टैंड से और बाहरी हिस्से से स्टेशन की एंट्री-एक्जिट बनाई जाएगी, ताकि यात्री व बाहरी लोग इसमें प्रवेश कर सकें। यानी यदि आपको बस स्टैंड जाना है तो मेट्रो की सुविधा का लाभ लिया सकेगा।

प्रोजेक्ट लागत
₹10394 करोड़

जल्द शुरू होगा काम

जयपुर मेट्रो के सीएमडी निहाल चंद गोयल का कहना है कि सरकार दूसरे चरण के काम के प्रति रुचि ले रही है। खुद मुख्यमंत्री सिंगापुर गई थीं तो उन्होंने मेट्रो के काम के लिए वहां की कंपनियों को आमंत्रित किया था। उसके बाद कंपनी ने यहां आकर मुआयना भी किया। अब कई कंपनियां आ रही हैं। जल्द ही काम आगे बढ़ेगा।

बाकी 17 मेट्रो स्टेशन कहां बनेंगे इसकी विस्तृत जानकारी पढ़ें पेज 3 पर

RATES INCREASE AFTER METRO PHASE II COMPLETION

सीतापुरा से अंबाबाड़ी तक 13 एलिवेटेड और 7 अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन

जहां जरूरत ज्यादा, दूसरे चरण में मेट्रो स्टेशन उसी जगह पर

दैनिक भास्कर फर्स्ट रिपोर्ट

आलोक खंडेलवाल | जयपुर

सीतापुरा से अंबाबाड़ी तक 23.77 किलोमीटर लंबे जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण की कवायद तेज हो गई है। राज्य सरकार की ओर से जिस तरह से मेट्रो प्रशासन को काम की जिम्मेदारी सौंपी गई है, उससे आमजन की दूसरे चरण के लिए भी उम्मीदें बढ़ गई हैं। जेएमआरसी की ओर से पिछले कुछ समय से इसी बात की कवायद चल रही थी कि जिन-जिन स्थानों पर मेट्रो स्टेशन बनेंगे वे असल में कितने लोगों के लिए लाभकारी होंगे। जहां भी स्टेशन बनेंगे वहां से उनकी दूरी ज्यादा तो नहीं होगी।

इस रूट पर 20 स्टेशन होंगे। इनमें सांगानेर, एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन, अजमेरी गेट, गवर्नमेंट होस्टल, सिंधी कैंप बस स्टैंड मेट्रो, कलेक्ट्रेट सर्किल और पानीपेच मेट्रो स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे। शेष 13 स्टेशन एलिवेटेड होंगे।

सैटेलाइट से ली तस्वीर में दिखाई दी हमारी लाइफ लाइन मेट्रो

मेट्रो स्टेशन	कहां बनेगा	फायदा क्या
सीतापुरा	पुलिस थाना के पास	औद्योगिक क्षेत्र की फैक्ट्रियों, सुखपुरिया गांव, इंद्रपुरी, सीतापुरा, चतराला गांव, रामचंद्र पुरा, वाटिका के लोगों को फायदा।
प्रतापनगर	कुंभा मार्ग के गेट पर	करीब एक तिहाई प्रतापनगर और बंबाला के लोगों के लिए होगी इस स्टेशन से मेट्रो में सफर करने के लिए ईजी एप्रोच।
हल्दीघाटी गेट	स्टार हॉस्पिटल के सामने	प्रतापनगर हाउसिंग बोर्ड और बंबाला के लोगों के नजदीक पड़ेगा। इस स्टेशन से करीब 50 हजार लोग लाभ उठा सकेंगे।
सांगानेर	पिंजरापोल गोशाला के पास	श्योपुर रोड, प्रतापनगर का शेष हिस्सा जुड़ जाएगा। सांगानेर की इकाइयों के कार्मिक भी यहां से ट्रेन में बैठ सकेंगे।
एयरपोर्ट	एयरपोर्ट की कार पार्किंग	जुलाई 2014 में रिवाइज्ड डीपीआर में स्टेशन को जोड़ा गया। टर्मिनल टू के अराइवल से निकलते ही मेट्रो में प्रवेश।
दुर्गापुरा	कृषि अनुसंधान केंद्र के पास	स्टेशन एलिवेटेड होगा। यहां की कूंट से टोंक रोड का बड़ा हिस्सा और दुर्गापुरा का बड़ा हिस्सा इसके नजदीक रहेंगे।
महावीर नगर	डेंटल अस्पताल के पास	यहां जयपुरिया अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों के साथ-साथ इनकम टैक्स कॉलोनी, दुर्गापुरा के लिए यही स्टेशन पास पड़ेगा।
गोपालपुरा मोड	गोपालपुरा मोड के पास	पेट्रोलपंप के नजदीक बनेगा। गोपालपुरा, त्रिवेणी, मूर्तिकला कॉलोनी के लोगों को रूट से जुड़े क्षेत्रों में जाने में मदद मिलेगी।
देवनगर	टोंक पुलिया के पास	यहां से देवनगर और उससे जुड़ी करीब 15 कॉलोनियों के लोगों को फायदा होगा। यह स्टेशन भी एलिवेटेड होगा।
टोंक फाटक	लक्ष्मी मंदिर सिनेमा तिराहा	यहां नटराज नगर, सहकार मार्ग, गांधी नगर, बरकत नगर सहित 40 कॉलोनियों के लोग मेट्रो ट्रेन में बैठ सकेंगे।
गांधीनगर मोड	गांधीनगर मोड के पास	गांधी नगर, बापू नगर, लालकोठी, सब्जी मंडी इलाका समेत कई व्यावसायिक क्षेत्रों से जुड़ा होगा।
स्टेडियम	कृष्णा एन्क्लेव के सामने	लालकोठी, बापूनगर, भवानीसिंह रोड सहित कई कॉलोनियों के लोगों को फायदा मिलेगा।
नारायण सिंह सर्किल	एसएमएस स्कूल के सामने	गुलाब बाग, टोंक रोड-नारायण सिंह सर्किल, मोती डूंगरी गणेश मंदिर आने वालों के लिए नजदीक पड़ेगा।
एसएमएस हॉस्पिटल	इमरजेंसी गेट के सामने	अस्पताल आने वाले हजारों मरीजों, उनके परिजनों को लाभ। यहां देशभर से मरीज और उनके परिजन आते हैं।
अजमेरी गेट	डायमंड व जैम प्लाजा के बीच	अजमेरी गेट, महाराजा, महारानी कॉलेज, एमजीडी स्कूल के बच्चों को भी फायदा मिलेगा।
गवर्नमेंट होस्टल	कमिश्नरेट के सामने	कमिश्नरेट के कर्मचारियों के अलावा, व्यापारियों, संसार चंद्र रोड, जालूपुरा आने-जाने वालों को मेट्रो ट्रेन मिल सकेगी।
पानीपेच	रेलवे कॉलोनी के पास	पानी पेच, शास्त्री नगर, सिंधी कैंप के आसपास व बनीपार्क के लोगों को फायदा मिलेगा।
अंबाबाड़ी	फ्रूट मंडी के पास	अंबाबाड़ी और विद्याधर नगर, सीकर रोड, विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र के लोगों, कर्मचारियों को मेट्रो ट्रेन मिल सकेगी।

लंबाई

	पहले	अब
सीतापुरा से अंबाबाड़ी तक	23.09 किमी	23.77 किमी
अंडरग्राउंड रूट की दूरी	5.09 किमी	9.99 किमी
एलिवेटेड ट्रैक	18 किमी	13.78 किमी

मेट्रो स्टेशन

	पहले	अब
अंडरग्राउंड स्टेशन	05 किमी	07 किमी
एलिवेटेड स्टेशन	15 किमी	13 किमी

रिवाइज्ड डीपीआर के कारण रूट में हुआ बदलाव

प्रोजेक्ट लागत

10394 करोड़

RATES INCREASE AFTER METRO PHASE II COMPLETION

वर्ष 2026 के आधार पर मेट्रो संचालन का अध्ययन, बस सेवा को नकारा

अब सीतापुरा से वीकेआइ तक बढ़ेगी मेट्रो

भविष्य में आउटर रिंग रोड तक होगा विस्तार

मेट्रो रूट सीतापुरा से वीकेआइ रोड नं. 12 तक प्रस्तावित, पहले अम्बाबाड़ी तक था

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जयपुर. सीतापुरा से वीकेआइ तक बीआरटीएस या अन्य परिवहन विकल्प की बजाय मेट्रो को ही सरकार ने बेहतर माना है। मेट्रो रूट भी सीतापुरा से अम्बाबाड़ी की बजाय वीकेआइ तक (29.5 किलोमीटर) ले जाने पर सहमति बन गई है। यह एमआइ रोड होते हुए गुजरेगा। भविष्य में इसका आउटर रिंग रोड तक विस्तार किया जाएगा। जयपुर मेट्रो की ओर से कराए गए काम्प्रेहेंसिव मोबेलिटी स्टडी की रिपोर्ट में इसकी जरूरत जताई गई है। इसमें मेट्रो के लिए तीन रूट सुझाए गए लेकिन जेएलएन रोड की बजाय टोंक रोड वाले रूट को ही बेहतर माना गया है। अब सरकार इसी दिशा में आगे बढ़ेगी।

मेट्रो संचालन का अध्ययन वर्ष 2026 के आधार पर किया गया है। सरकार मान रही है कि इस रूट पर मेट्रो के लिए आवश्यक यात्री भार 2026 से ही मिल पाएगा। हालांकि इससे पहले बस रेपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीस) बेहतर विकल्प हो सकता है लेकिन सरकार का फोकस केवल मेट्रो पर टिक गया है। इस संबंध में नगरीय विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पीके गोयल की अध्यक्षता में सचिवालय में बैठक हुई। इसमें स्टेक होल्डर के साथ जेडीसी वैभव गालरिया, जेसीटीएसएल के एमडी सुरेश ओला, जेडीए के परियोजना निदेशक एनसी माथुर सहित मेट्रो व यातायात पुलिस के अधिकारी भी शामिल हुए।

रिपोर्ट पर सवाल

टोंक रोड वाले रूट पर प्रतिदिन 4,53,591 यात्री भार बताया गया जबकि जेएलएन मार्ग पर यह 2,53,750 कम होकर केवल 1,99,841 रह गया। यह अन्तर विषय विशेषज्ञों के गले नहीं उतर रहा है। हालांकि टोंक रोड के दोनों ओर आबादी क्षेत्र है जबकि जेएलएन मार्ग पर कम है।

मेट्रो रूट अब सीतापुरा से वीकेआइ तक प्रस्तावित किया गया है। स्टडी रिपोर्ट से साफ है कि भविष्य में इस रूट पर केवल बस संचालन से काम नहीं होगा। मेट्रो की जरूरत है। इसके लिए सुझाव मांगे गए हैं, उस आधार पर अलाइनमेंट फाइनल होगा।

अश्विनी सक्सेना, प्रोजेक्ट निदेशक, जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन

3 रूट सुझाए, जेएलएन मार्ग की बजाय टोंक रोड वाले रूट को माना बेहतर

1. सीतापुरा से अम्बाबाड़ी होते हुए वीकेआइ (वाया टोंक रोड)
दूरी : **29.5** किमी,
स्टेशन : **25**
4,53,591 यात्रि रोज
(वर्ष 2026 के आधार पर)

2. सीतापुरा से अम्बाबाड़ी - वीकेआइ
(वाया जेएलएन रोड)
दूरी : **22.5** किमी,
स्टेशन : **16**
1,99,841 यात्रि रोज
(वर्ष 2026 के आधार पर)

3. सीतापुरा से आउटर रिंग रोड तक
दूरी : **08** किमी,
स्टेशन : **03**
3,39,060 यात्रि रोज
(वर्ष 2031 के आधार पर)

काम्प्रेहेंसिव मोबेलिटी स्टडी की रिपोर्ट में दिया है सुझाव

तीन विकल्प : स्पीड और समय

1. मौजूदा स्थिति : अभी संबंधित रूट व सड़क पर बसें चलें तो स्पीड 15 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी। दूरी तय करने में करीब 120 मिनट लगेंगे।

2. बीआरटीएस : इस कॉरिडोर में बस संचालन पर 25 किलोमीटर प्रतिघंटा स्पीड मिलेगी। निर्धारित दूरी 72 मिनट में तय की जा सकेगी।

3. मेट्रो : इसमें 35 किलोमीटर प्रतिघंटा स्पीड होगी और 51 मिनट में दूरी तय की जा सकेगी।

इस रूट पर एक हकीकत यह भी

इस रूट पर करीब 29 किलोमीटर लम्बाई में बीआरटीएस कॉरिडोर की जरूरत होगी। इसमें 7.1 किलोमीटर रूट (अम्बाबाड़ी से वीकेआइ) पर कॉरिडोर पहले ही बना हुआ है। बाकी हिस्से में निर्माण करने से लेकर बस संचालन तक का खर्च करीब 1250 करोड़ रुपए आंका जा रहा है। सभी 1120 एसी बसें खरीदी जाएं तो उक्त खर्च आएगा। अभी यातायात और परिवहन व्यवस्था को देखते हुए यह जरूरी है।

मेट्रो निर्माण पर 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा राशि खर्च होने का आंकलन किया गया है।

अलाइनमेंट : कलक्ट्रेट से एमआइ रोड, एयरपोर्ट की तरफ भूमिगत

कलक्ट्रेट सर्कल से सिंधी कैम्प बस स्टैंड, एमआइ रोड पर अजमेरी गेट तक और एयरपोर्ट टर्मिनल दो की तरफ हिस्से में भूमिगत प्रस्तावित है। इसके अलावा अन्य जगह एलीवेटेड संचालन होगा। हालांकि स्टडी रिपोर्ट में उत्तर से दक्षिण में परिवहन सेवा के लिए मेट्रो को ही बेहतर विकल्प माना है। अलाइनमेंट फाइनल नहीं हुआ है।

सरकार के लिए यह मुश्किल

यह सर्वे वर्ष 2026 के आधार पर किया गया है लेकिन सरकार चाहे तो मौजूदा समय में काम शुरू कर 3-4 साल में पूर्ण कर सकती है। इसके लिए 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा राशि चाहिए जो मौजूदा स्थिति में चुनौती ही है।

दूसरा विकल्प पीपीपी मॉडल का है, जिसमें निजी कंपनी अपने खर्च पर निर्माण करे। इसके लिए उसे कमाई का जरिया देना होगा। अभी देश में मुंबई व हैदराबाद में पीपीपी मॉडल पर मेट्रो निर्माण व संचालन हो रहा है। मुंबई में तो अनुबंधित कंपनी लगातार शुल्क बढ़ाने का सरकार पर दबाव बना रही है।

पत्रिका Sat, 14 July 2018
epaper.patrika.com/c/30331681

RATES INCREASE AFTER METRO PHASE II COMPLETION

मेट्रो के दूसरे चरण की डीपीआर की सरकार से मिली हरी झंडी

जयपुर| सीतापुरा से अंबाबाड़ी के बीच मेट्रो ट्रेन का दूसरा चरण शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है। सरकार ने लंब समय से अटकी डीपीआर तैयार करने के लिए मेट्रो निगम को हरी झंडी दे दी है। नई डीपीआर कम खर्च पर नवीनतम टेक्नोलॉजी और यात्री भार को देखते हुए तैयार की जाएगी। इसके लिए मेट्रो प्रशासन ने 6 देशी-विदेशी कंपनियों को सलेक्ट कर लिया है। ये कंपनियां एक महीने में अपना-अपना प्रस्ताव देंगी। तकनीकी और फाइनेंशियल बिड के आधार पर एक को सलेक्ट किया जाएगा और उसको 6 माह में नई डीपीआर देनी होगी। जयपुर मेट्रो के सीएमडी अश्विनी भगत का कहना है कि नई डीपीआर तैयार करने के लिए कुछ दिन पहले सरकार से मंजूरी मिल गई है। अब जल्द कंपनी का चयन किया जाएगा। उसके बाद आगे की कार्यवाही शुरू होगी।

इतिहास दोहराया जायेगा

KEDIA'Z CAPITAL
An Integrated Township

Ring Road, Tonk Road, Jaipur

एयरपोर्ट पार्किंग, बस स्टैंड व कलेक्ट्रेट सर्किल के नीचे बनेगा मेट्रो स्टेशन

A ray of hope for Metro phase II

Major Boost As Korean Firm Submits Study For Project

जहां जरूरत ज्यादा, दूसरे चरण में मेट्रो स्टेशन उसी जगह पर

जयपुर मेट्रो : दोनों चरणों का 9732 करोड़ का प्रोजेक्ट पेश

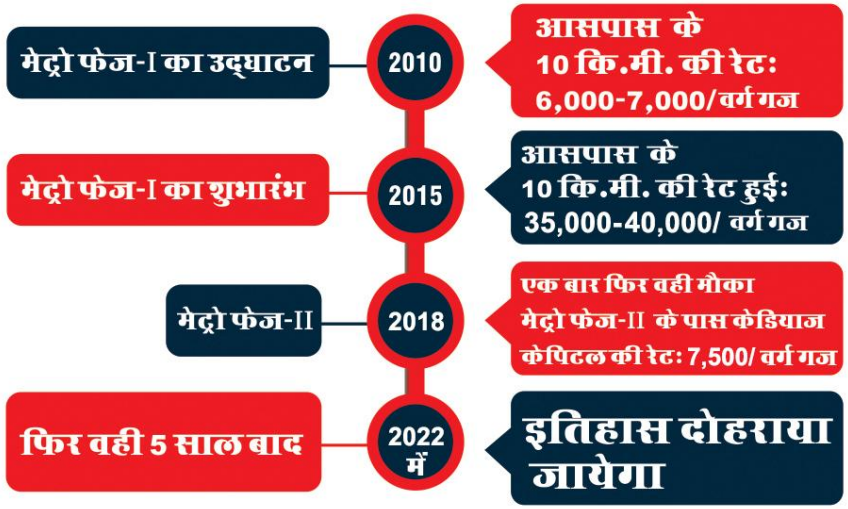

RATES INCREASE AFTER GREENFIELD AIRPORT COMPLETION

अब शिवदासपुरा में एयरोसिटी के साथ इंटरनेशनल एयरपोर्ट

- राज्य सरकार ने जेडीए के प्रस्ताव को दी मंजूरी
- 13 गांवों की 5000 बीघा जमीन ली जाएगी
- सरकार की मंशा इसी कार्यकाल में हो काम

नरेश वशिष्ठ | जयपुर

शिवदासपुरा में बनने वाले अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के साथ एयरोसिटी भी डवलप होगी। जेडीए के प्रस्ताव को राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है। नए एयरपोर्ट के लिए 13 गांवों की 5,000 बीघा जमीन अधिग्रहीत की जाएगी। इसका नाम ग्रीन फील्ड होगा। सरकार की मंशा है कि एयरपोर्ट इसी कार्यकाल में बनकर तैयार हो जाए। जेडीए सचिव पवन अरोड़ा ने बताया कि भारतीय विमानपतन प्राधिकरण से मंजूरी मिल गई है। जेडीसी शिखर चंद अग्रवाल ने बताया कि एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण का काम चल रहा है। एयरपोर्ट का निर्माण प्राइवेट और सरकार दोनों में से कौन करेगा। इस पर निर्णय बाकी है। जेडीए पहले तीन गांवों की जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव सरकार को भेजेगा। शेष जमीन के लिए दस गांवों की जमीन चिह्नित की जाएगी। इनके खसरे का सर्वे हो गया है।

नाम होगा ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट, ये होंगी खासियतें

- एयरपोर्ट की लंबाई 6 किमी, चौड़ाई 2.5 किमी होगी। रनवे की लंबाई 12,000 फीट यानी करीब 3.6 किमी।
- रनवे अब पूर्व से पश्चिम की ओर बनाया जाएगा। पहले यह उत्तर से दक्षिण दिशा में बनना था।
- एयरपोर्ट बनने के बाद अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी सहित अन्य देशों के लिए सीधी फ्लाइट मिलेगी।

एयरोसिटी में बनेंगे होटल, मॉल्स, सिनेमा हॉल

एयरोसिटी में होटल, मॉल्स, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सिनेमा घर और रेस्टोरेंट होंगे। फ्लाइट लेट या रद्द होने की स्थिति में यात्रियों को वापस अपने होटल नहीं लौटना होगा, वे वहीं होटल में आराम कर सकेंगे। फिल्म देख सकेंगे, शॉपिंग कर पाएंगे। एयरोसिटी में कार्गो हब भी बनाया जाना है। आसपास का क्षेत्र भी डवलप होगा।

इन गांवों की जमीन होगी अधिग्रहीत

शिवदासपुरा, चंदलाई, बरखेड़ा, जयलालपुरा, देवकीनंदनपुरा, मधुसूदनपुरा, रायपुरिया खुर्द, नांगलपूर्ण, धर्मपुरा, भवानीपुरा, बल्लूपुरा, बराला और खाजलपुरा में जमीन अधिग्रहीत होगी।

RATES INCREASE AFTER GREENFIELD AIRPORT COMPLETION

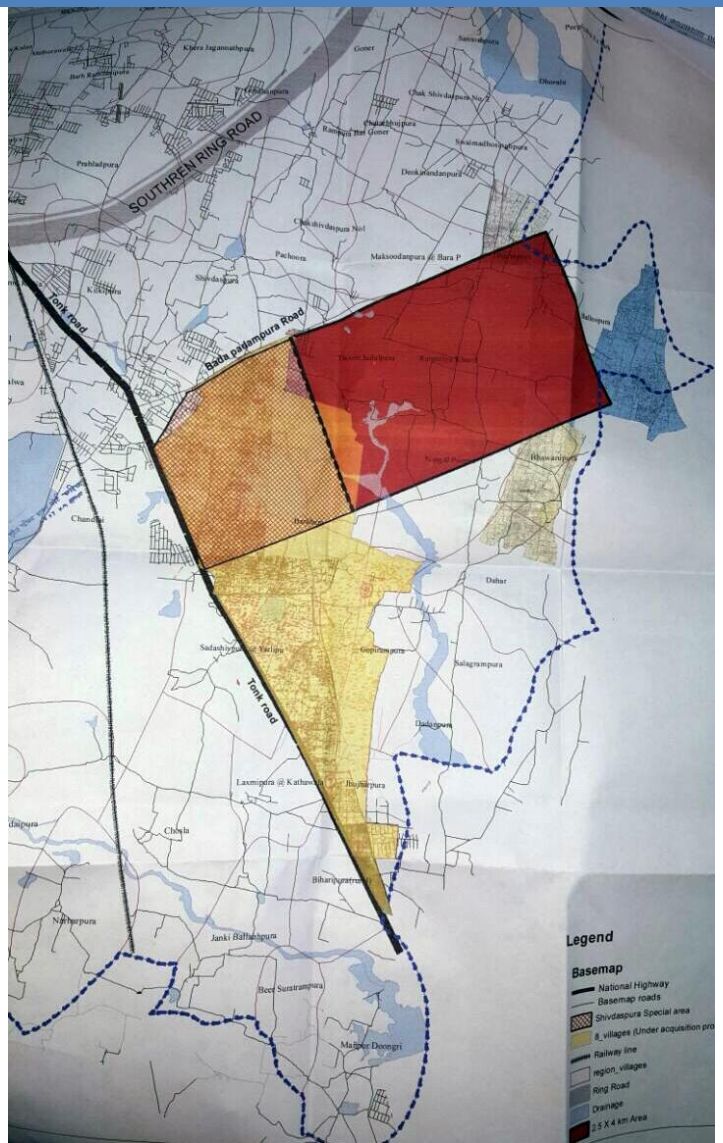

RATES INCREASE AFTER GREENFIELD AIRPORT COMPLETION

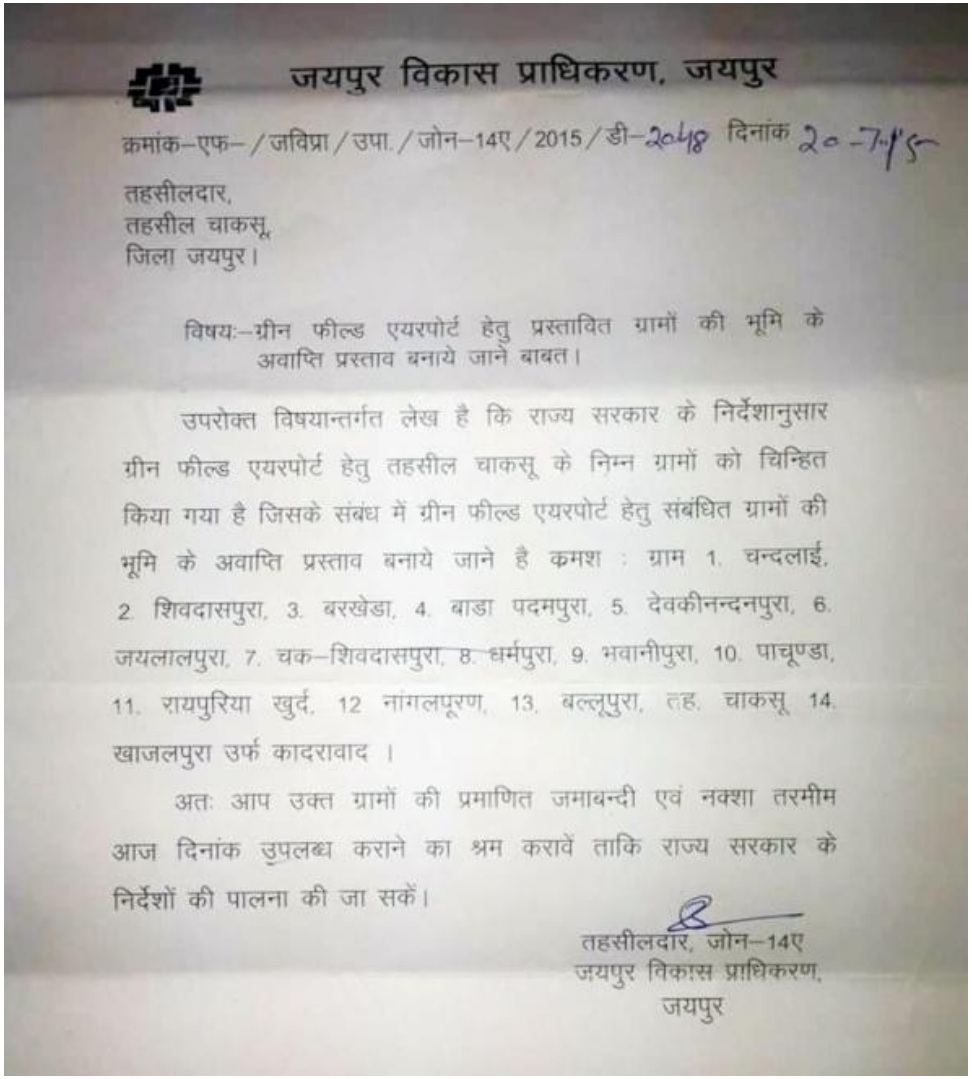

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक–एफ–/जविप्रा/उपा./जोन–14ए/2015/डी–2048 दिनांक 20-7-15

तहसीलदार,
तहसील चाकसू,
जिला जयपुर।

विषयः–ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट हेतु प्रस्तावित ग्रामों की भूमि के अवाप्ति प्रस्ताव बनाये जाने बाबत।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट हेतु तहसील चाकसू के निम्न ग्रामों को चिन्हित किया गया है जिसके संबंध में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट हेतु संबंधित ग्रामों की भूमि के अवाप्ति प्रस्ताव बनाये जाने है कमश : ग्राम 1. चन्दलाई, 2. शिवदासपुरा, 3. बरखेडा, 4. बाडा पदमपुरा, 5. देवकीनन्दनपुरा, 6. जयलालपुरा, 7. चक–शिवदासपुरा, 8. धर्मपुरा, 9. भवानीपुरा, 10. पाचूण्डा, 11. रायपुरिया खुर्द, 12 नांगलपूरण, 13. बल्लूपुरा, तह. चाकसू 14. खाजलपुरा उर्फ कादरावाद ।

अतः आप उक्त ग्रामों की प्रमाणित जमाबन्दी एवं नक्शा तरमीम आज दिनांक उपलब्ध कराने का श्रम करावें ताकि राज्य सरकार के निर्देशों की पालना की जा सकें।

तहसीलदार, जोन–14ए
जयपुर विकास प्राधिकरण,
जयपुर

RATES INCREASE AFTER GREENFIELD AIRPORT COMPLETION

शिवदासपुरा के पास अवाप्त होगी 20 गांवों की 8 हजार बीघा जमीन

एयरपोर्ट के लिए जेडीए को अवाप्ति प्रस्ताव भेजने के निर्देश

जयपुर | शिवदासपुरा के पास 20 गांवों की जमीन पर प्रस्तावित एयरपोर्ट के लिए सरकार 2100 हैक्टेयर (8 हजार बीघा) जमीन अवाप्त करने वाली है। 11 साल पहले 2005 में यहां ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाने की योजना बनी थी। लेकिन केंद्र की मनाही के बाद पिछली सरकार ने 90बी की अनुमति दे दी थी। अब एसीएस यूडीएच मुकेश शर्मा ने जेडीए को इस जमीन के कलेक्टर की सर्वे रिपोर्ट के आधार पर अवाप्ति का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं। शेष | पेज 6

दो मंत्रियों, दो विधायकों सहित कई नेताओं की जमीन भी शामिल

शिवदासपुरा, बाडा पदमपुरा, बरखेड़ा, धर्मपुरा, रामपुरिया, चक चंदलाई, मालवा, नांगलपुरा, भवानीपुरा, थोनी जिलालपुरा, रामपुरिया, रानीपुरा, नांजीपुरा, लक्ष्मीपुरा, दहड़, नारया का बास, किलकीपुरा सहित बीलवा और मथुरावाला तक 20 गांवों की 2100.8 हैक्टेयर जमीन अब अवाप्त की जाएगी। इस जमीन में भाजपा सरकार के 2 मंत्रियों, 2 विधायकों सहित पांच-छह नेताओं की भी 100 से 600 बीघा जमीनें बताई जा रही हैं। हालांकि, जेडीए अफसर इसका खुलासा करने से बच रहे हैं।

RATES INCREASE AFTER GREENFIELD AIRPORT COMPLETION

सरकार के निर्देश पर कार्रवाई... टोंक रोड स्थित कई गांवों में फिर हलचल

अब जेडीए तैयार कर रहा शिवदासपुरा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का अवाप्ति प्रस्ताव

2,100 हैक्टेयर
जमीन है चिन्हित, बदल सकता है जमीन का कुछ हिस्सा

20 गांव प्रभावित
अभी भू-रूपांतरण पर है अघोषित रोक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जयपुर टोंक रोड, शिवदासपुरा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाने का प्रस्ताव फिर फाइल से बाहर आ गया है। राज्य सरकार के निर्देश के बाद जेडीए अवाप्ति का प्रस्ताव तैयार करने में जुट गया है, जिसे जल्द ही नगरीय विकास विभाग को भेजा जाएगा। इससे प्रभावित गांवों में हलचल मच गई है। इसमें 20 गांवों की 2100.08 हैक्टेयर जमीन प्रभावित है। इसमें स्पेशल एरिया में उन 8 गांवों की 4651 बीघा जमीन भी शामिल है, जिसे वर्ष 2008 में प्रस्तावित एयरपोर्ट के लिए रिजर्व किया गया था। राज्य सरकार पहले ही सैद्धांतिक मंजूरी दे चुकी है। सूत्रों के मुताबिक 'सरकार' ने विशेष रूप से इसकी प्रक्रिया शुरू करने के लिए कहा है।

पिसते रहे प्रभावित

पिछले 9 साल में भाजपा के अलावा कांग्रेस सरकार भी रही लेकिन किसी ने इसकी स्थिति स्पष्ट नहीं की। प्रभावित काश्तकार-खातेदार और जनप्रतिनिधियों ने कई बार सरकार को पत्र लिख स्थिति स्पष्ट करने कहा, नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा।

जवाब मांगते सवाल

Q **जेडीए** ने 19 मई, 2015 को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, ऐरोमेट्रोपॉलिस बनाने का प्रस्ताव भेजा, क्लीयरेंस मंगी। प्राधिकरण ने 24 अगस्त, 2015 को जेडीए को जवाब भेजा, जिसमें ग्रीनफील्ड (नया) एयरपोर्ट पॉलिसी के तहत मौजूदा एयरपोर्ट से 150 किलोमीटर के भीतर दूसरे ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट निर्माण की सामान्यतया अनुमति नहीं देने के नियम गिना दिए। इसके बाद भी आवेदन नागर विमानन मंत्रालय को परीक्षा तथा सैद्धांतिक मंजूरी के लिए भेजने के लिए कह दिया।

Q **एयरपोर्ट** ऑथोरिटी की क्लीयरेंस से पहले ही अवाप्ति प्रक्रिया क्यों शुरू की जा रही है। इसका सीधा असर स्थानीय आबादी पर पड़ेगा।

Q **नियमों** के तहत दो एयरपोर्ट के बीच की दूरी 150 किलोमीटर है तो फिर प्रस्ताव भेजने का क्या औचित्य।

Q **अगर** सरकार की मंशा मौजूदा और प्रस्तावित एयरपोर्ट पर अलग-अलग डोमेस्टिक व इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने की है तो वह साफ क्यों नहीं की जा रही।

Q **मौजूदा** एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल एयरपोर्ट स्तर की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। रेनवे की लम्बाई बढ़ाने का काम चल रहा है।

भू-रूपांतरण पर रोक, पर निर्माण होते गए

एयरपोर्ट बनाने का मसौदा 9 साल से चल रहा है। पहले प्रभावित गांवों की संख्या 12 थी, लेकिन बाद में यह बढ़कर 20 हो गई। इन गांवों में कई आवासीय योजनाएं विकसित हो चुकी हैं और इनमें से दो दर्जन से ज्यादा योजनाओं को खुद जेडीए अनुमोदित कर चुका है।

बताया जा रहा है कि चिन्हित 2100 हैक्टर जमीन में से 30 से 40 फीसदी भूमि पर घनी आबादी है। यहां कई स्कूल, अस्पताल तक संचालित हैं। जेडीए ने यहां भू-रूपांतरण (90ए) पर अघोषित रोक लगा दी थी। ऐसी स्थिति में न केवल मंदी में घिरा प्रोपर्टी बाजार पूरी तरह ठप हो गया।

निकटतम एयरपोर्ट से कम दूरी कारण

चर्चा यह भी है कि चिन्हित भूमि के अलावा और जमीन भी ली जा सकती है। कारण, एक एयरपोर्ट से दूसरे एयरपोर्ट के बीच की दूरी 150 किलोमीटर होने की बाध्यता (स्पेशल केस को छोड़कर) है। जबकि मौजूदा एयरपोर्ट और प्रस्तावित जगह के बीच महज 15 से 17 किलोमीटर दूरी है। ऐसे में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की दूरी कुछ और बढ़ सकती है। इस मामले में नगरीय विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मुकेश शर्मा, जेडीसी व अन्य अधिकारियों के बीच मंथन हो चुका है।

किन गांवों में कितनी जमीन

ग्राम	अवाप्ताधीन भूमि (हैक्टेयर)
चन्दलाई	79.26
शिवदासपुरा	172.25
बरखेड़ा	558.25
गोपीरामपुरा	229.06
लक्ष्मीपुरा काठावाला	2.76
बिहारीपुरा	23.56
झुझारपुरा	37.30
यारलीपुरा	101.28
बाड़ापदमपुरा	133.14
रायपुरिया खुर्द	223.75
पाचुण्डा	0.33
भवानीपुरा	14.97
जयलालपुरा	88.13
बल्लूपुरा	138.55
देवकीनंदनपुरा	0.47
खाजलपुरा	3.44
नांगलपुरा	159.37
धर्मपुरा	58.95
हनुमानपुरा (बराला)	73.11
चक शिवदासपुरा	2.37

प्रस्ताव तैयार करने कहा है

सरकार ने प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा है, उस आधार पर प्रक्रिया अपना रहे हैं। फिलहाल इससे ज्यादा कुछ नहीं कहा जा सकता है।

वैभव गालरिया, जेडीसी

RATES INCREASE AFTER GREENFIELD AIRPORT COMPLETION

राजस्थान पत्रिका . जयपुर. शुक्रवार. 10.11.2017 rajasthanpatrika.com

ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट पर कार्रवाई से हलचल, ध्वस्तीकरण शुरू

एयरपोर्ट के लिए चिन्हित इलाके में सृजित की जा रही योजना, जेडीए पुलिस अधीक्षक ने पूरा इलाका देखा, प्रवर्तन टीम मौके पर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जयपुर . टोंक रोड, शिवदासपुरा में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाने के लिए सरकार एक्शन में आ गई है। सरकार के निर्देश पर जेडीए टीम गुरुवार को एयरपोर्ट के लिए चिन्हित जगह पर पहुंच गई और वहां सृजित की जा रही कॉलोनियों के निर्माण को ध्वस्त करना शुरू कर दिया। पहले दिन तारबंदी, पत्थरगढ़ी, बाउण्ड्रीवाल व अन्य निर्माण को हटाया। इसमें करीब 8 बीघा जमीन शामिल है। इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों में हलचल मच गई है। जेडीए के पुलिस अधीक्षक राहुल जैन इलाके का मौका मुआयना कर चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक सरकार जल्द यहां अवाप्ति की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है।

> ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए चिन्हित क्षेत्र में जो भी आवासीय योजना सृजित की जा रही है, उन्हें ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की है। ऐसी किसी नई योजना को सृजित करने की अनुमति नहीं है। प्रवर्तन टीम लगातार यहां काम करेगी।
>
> **राहुल जैन**, पुलिस अधीक्षक (प्रवर्तन), जेडीए

150 किमी दूरी का है नियम

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के मुताबिक सामान्य तौर पर एक एयरपोर्ट से दूसरे एयरपोर्ट के बीच की दूरी 150 किमी होने की बाध्यता है। मौजूदा एयरपोर्ट व प्रस्तावित के बीच सिर्फ15 से 17 किमी की दूरी ही है। सरकार को चिंता सता रही है कि दूरी के चक्कर में प्रोजेक्ट अटक न जाए। इसी कारण ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के लिए 20 किमी की दूरी को आधार मानते हुए पास ही जमीं देखने को कहा है।

पहले 20 गांव चिन्हित, अब 15 में होगी अवाप्ति...

बाड़ापदमपुरा, रामपुरिया खुर्द, पचुण्डा, भवानीपुरा, जयलालपुरा, बल्लुपुरा, देवकीनंदनपुरा, खाजलपुरा, नांगलपुरा, धर्मपुरा, हनुमानपुरा (बड़ला), चक शिवदासपुरा।
ये 3 स्पेशल एरिया ग्राम चन्दलाई, शिवदासपुरा, बरखेड़ा।
ये बचे 5 गांव : गोपीरामपुरा, लक्ष्मीपुरा काठावाला, बिहारीपुरा, झुझारपुरा, यारलीपुरा (जेडीए की ओर से पिछले दिनों सरकार को सौंपे गई सूची में ये 5 गांव नहीं हैं)

2,100 की जगह 1500 बीघा भूमि का अधिग्रहण...

जेडीए ने यहां 2100.08 बीघा जमीन चिन्हित की हुई है। इसमें 20 गांव शामिल किए। इस इलाके में भू-परिवर्तन पर भी रोक है। गतदिनों नगरीय विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, जेडीसी व अन्य अफसरों के बीच बैठक हुई। इसमें जेडीए ने 1500 हैक्टेयर जमीन अवाप्त करने की जरूरत मानी। इसमें 12 गांव के अलावा 3 स्पेशल जोन में शामिल गांव है। 5 गांवों को राहत मिलने के संकेत भी दिए गए। जमीन अवाप्ति के लिए 6 हजार करोड़ रु. बतौर मुआवजा का शुरुआत आकलन किया है।

ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की अवाप्ति के दायरे में आ रही दो अवैध कालोनियों से सड़कें उखाड़ी

जयपुर | जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए जोन-14 में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की अवाप्ति में रही दो अवैध कॉलोनी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तोड़फोड़ की। हालांकि जेडीए की प्रवर्तन विंग ने कॉलोनी बसाने वाले लोगों व सोसायटियों के खिलाफ फिलहाल कोई सख्त कार्रवाई नहीं की है। जेडीए पुलिस अधीक्षक राहुल जैन ने बताया कि जोन-14 में ग्राम रामपुरिया खोर में 35 बीघा कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने के लिए ग्रेवल की सड़क डाली थी, जिसे जेसीबी से हटाया। इसी तरह बाड़ा पदमपुरा से आगे भवानीपुरा में 5-6 बीघा कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने के लिए बनाई ग्रेवल की सड़कों को जेसीबी से खुर्द-बुर्द किया। जेडीए जोन 9 के जगतपुरा स्थित शिव नगर के प्लॉट नं. 100 के अवैध निर्माण को भी ध्वस्त किया।

JDA APPROVED
THE BEST INVESTMENT ON
EARTH
IS
EARTH
RATES INCREASE AFTER GREEN FIELD AIRPORT COMPLETION
RATES INCREASE AFTER METRO PHASE II COMPLETION
RATES INCREASE AFTER RING ROAD COMPLETION
RATES INCREASE AFTER 100 ft. & 160 ft. ROAD COMPLETION
RATES INCREASE AFTER TOWNSHIP DEVELOPMENT COMPLETION
CURRENT PRICE @7500/-Sq.Yd
KEDIA'Z CAPITAL
An Integrated Township
Ring Road, Tonk Road, Jaipur
No Pain...
Only Gain.
The best investment on
EARTH
is
EARTH

THANK YOU

Kedia Homes

Rajasthan's No. 1 Trusted Real Estate Brand

www.kediahomes.com | info@kediahomes.com

For Site Visit Call us on Toll Free No 1800-120-2323

Head Office:

Nadi ka Phatak, Murlipura, Sikar Road, Jaipur-39

Corporate Office:

Sanganer Airport Flyover, Main Tonk Road, Jaipur-29

Branch Office:

F-110, Evershine Tower, Vaishali Nagar, Jaipur-21